## न्यूज डायरी

### मुझे उम्मीद है कि भारत और चीन मौजूदा सीमा विवाद हल कर लेंगे

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत और चीन मौजूदा सीमा विवाद हल कर लेंगे। साथ ही उन्होंने एक बार फिर दोनों एशियाई देशों की मदद की पेशकश की। ट्रप ने वाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, 'मुझे पता है कि चीन और भारत मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि वे इससे निपट लेंगे।' ट्रंप ने कहा, 'अगर हम मदद कर सकते हैं , तो जरूर मदद करना चाहेंगे।' राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय में आया है जब कुछ दिन पहले ही भारत और चीन के वरिष्ठ सैन्य कमांडरों ने कई महीनों से लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर जारी गतिरोध को हल करने के लिए वार्ता की थी। इस बीच, समाचार पत्र 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' ने अपनी एक खबर में कहा कि सीमा संघर्ष भारत को एक असंयमित प्रतिक्रिया के लिए उकसा रहा है।

### म्यूटेशन के बाद अब और खतरनाक हुआ कोरोना, मास्क–हाथ धोना बेकार?

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** ह्यूस्टन। कोरोना वायरस का म्यूटेशन हो चुका है जिससे यह ज्यादा संक्रामक हो चुका है। इसकी वजह से अब यह मास्क पहनने और हाथ धोने जैसी बचाव प्रक्रियाओं से बचकर निकल सकता है। यह आशंका एक स्टडी में जताई गई है। एक्सपर्ट्स ने चेतावनी दी है कि ब्वटप्क–19 का नया स्ट्रेन ने मास्क और हाथ धोने का तोड़ निकाल लिया है। मार्च से ही अमेरिका के ह्यूस्टन में एक्सपर्ट्स कोरोना वायरस के जीनोम को सीक्वेंस कर रहे हैं। अब तक उन्होंने इसके 5,085 सीक्वेंस ढूंढ लिए हैं। नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ एलर्जी ऐंड इन्फेक्शियस डिजीज के वायरॉलजिस्ट डेविड मोरेन्स का कहना है कि ऐसा हो सकता है कि वायरस ने अब म्यूटेशन के बाद हमारे कुछ सुरक्षा तंत्रों से बचना सीख लिया हो। उनका कहना है कि अब यह और ज्यादा संक्रामक हो सकता है। इसके साथ ही इसे कंट्रोल करने के तरीकों में पर हमें और ध्यान देने की जरूरत हो गई है।

### पीएम मोदी के लिए दुबई की बच्ची ने गाया गाना, बर्थडे पर किया ट्रिब्यूट

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** दुबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बीते 17 सितंबर को जन्मदिन था। इस अवसर पर देश और दुनिया से तमाम लोगों ने उन्हें अपने–अपने तरीके से बधाई संदेश भेजे। दुबई की रहने वाली सुचेता सतीश ने भी अनोखे अंदाज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी। उन्होंने पीएम के लिए उनके राष्ट्रीय राजनीतिक सफर को दर्शाते गीत का एक वीडियो बनाया है, जिसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लॉन्च किया गया है। दुबई के न्यूज पोर्टल खलीज टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक 10वीं ग्रेड में पढ़ने वाली सुचेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ट्रिब्यूट करते हुए उनके जन्मदिन 17 सितंबर को यह गाना डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लॉन्च किया है। गाने की शुरुआत नमो–नमो विश्वगुरु भारत मेरा से होता है। जाहिर है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत में अपने समर्थकों और प्रशंसकों में नमो नाम से भी लोकप्रिय हैं। इस गाने को मलयालम लिरिसिस्ट और सिंगर अजय गोपाल ने लिखा है।

### चीन के शिनजियांग में 380 हिरासत शिविरों का पता चला

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के एक थिंक टैंक का मनना है कि चीन शिनजियांग में गोपनीय हिरासत केन्द्रों की संख्या बढ़ा रहा है। ऑस्ट्रेलियाई सामरिक नीति संस्थान (एएसपीआई) ने उपग्रह तस्वीरों और आधिकारिक निर्माण निविदा दस्तावेजों के माध्यम से पता लगाया कि शिनजियांग उइगुर स्वायत्त क्षेत्र में 380 से अधिक संदिग्ध हिरासत केन्द्र हैं। इनमें पुनर्शिक्षण शिविर, हिरासत केन्द्र और जेल शामिल हैं, इनका निर्माण हाल ही में किया गया है अथवा 2017 के बाद से इनमें विस्तार हुआ है। यह रिपोर्ट उन सबूतों पर आधारित है कि चीन ने अस्थायी सार्वजनिक इमारतों में उइगुर और अन्य मुस्लिम अल्पसंख्यकों को नजरबंद करने की नीति में बदलाव किया है और उन्हें स्थायी सामूहिक हिरासत केन्द्रों में रखा जा रहा है।

# पाक सेना प्रमुख जनरल बाजवा अपने ही बिछाए जाल में फंसे

**नेताओं को संयम बरतने की सीख देने वाले बाजवा खुद ही पाक सियासत में आकंठ डूबे हुए हैं**

फजीहत

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा अपने ही बिछाए जाल में फंसते जा रहे हैं और पाकिस्तान में उनके खिलाफ थू–थू होने लगी है। पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने राजनीतिक दलों को नसीहत दी थी कि वे सेना को राजनीति में न घसीटें। नेताओं को संयम बरतने की सीख देने वाले जनरल बाजवा खुद ही पाक सियासत में आकंठ डूबे हुए हैं। यही नहीं पाकिस्तानी राजनीति को अस्थिर करने की उनकी नापाक साजिश अब परत दर परत खुलने लगी है।

पाकिस्तानी राजनीति में पिछले दिनों तूफान लाने वाले जमीयत उलेमा–ए–इस्लाम के नेता गफूर हैदरी ने खुलासा किया है कि जब वह इस्लामाबाद में आजादी मार्च कर रहे थे, उस समय जनरल बाजवा ने खुद उन्हें बुलाया था। इस मुलाकात के दौरान जनरल बाजवा ने कहा कि आप आजादी मार्च न करें। हम नवाज शरीफ के खिलाफ जो कुछ कर रहे हैं, उसमें आप हस्तक्षेप न करें।

**खुलासे के बाद अब पाकिस्तानी सेना प्रमुख की देश में ही थू-थू**

पाकिस्तान के सामा टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक इस बैठक के दौरान आर्मी चीफ ने यह भी जानना चाहा कि मौलाना फजलुर्रहमान कहीं उनके इस्तीफे की तो मांग नहीं कर रहे हैं। जनरल बाजवा ने मौलाना से कहा कि वह धार्मिक कार्ड न खेलें। इस खुलासे के बाद अब पाकिस्तानी सेना प्रमुख की देश में ही थू–थू हो रही है। पाकिस्तान की चर्चित पत्रकार मरियाना बाबर ने कहा कि बाजवा कहते हैं कि सेना राजनीति में हस्तक्षेप नहीं करती है लेकिन क्या नवाज शरीफ एक एलियन हैं ?

मरियाना ने सेना प्रवक्ता से पूछा कि क्या आप अपने बॉस को यह दिखाएंगे और असत्य ट्वीट करने से परहेज करेंगे। खाकी यूनिफार्म की हम इज्जत करते हैं, इसलिए इसका अपमान नहीं करिए। हम अपनी सेना को प्यार करते हैं। राजनीति में हस्तक्षेप की जांच के लिए संयुक्त जांच कमिटी का गठन करिए। बता दें कि इन दिनों पाकिस्तानी सेना प्रमुख इन दिनों अपनी गुप्त बैठक को लेकर विवादों में हैं। इस बैठक में गिलगित–बाल्टिस्तान को लेकर चर्चा होनी थी।

बताया जा रहा है कि पाकिस्तान के गिलगित प्लान के पीछे पाकिस्तानी सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा का हाथ है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने गिलगित को लेकर पिछले दिनों देश की सभी बड़ी पार्टियों के नेताओं को सेना मुख्यालय रावलपिंडी में आयोजित दावत में बुलाया था। इसमें नवाज शरीफ के भाई शाहबाज शरीफ, आसिफ अली जरदारी के बेटे बिलावल भुट्टो जरदारी समेत पाकिस्तानी सियासत के कई दिग्गज नेता शामिल हुए थे। इस दौरान आईएसआई के प्रमुख भी मौजूद थे। बाजवा ने गिलगित को प्रांत बनाए जाने के मुद्दे पर चर्चा की लेकिन उसी दौरान उनकी बिलावल भुट्टो और शाहबाज शरीफ से बहस हो गई।

## 'स्वस्तिक' का विरोध बेअसर, नहीं बदला गया अमेरिका के गांव का नाम

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

अमेरिका। अमेरिका के न्यूयार्क में 'स्वस्तिक' नामक एक गांव है। इस गांव की परिषद ने विरोध के बावजूद नाम नहीं बदलने के समर्थन में सर्वसम्मति से फैसला किया है। 'स्वस्तिक' हिंदू संस्कृति में मंगल का प्रतीक माना जाता है और हर शुभ कार्य से पहले इसका पूजन किया जाता है, लेकिन अमेरिका में लोग इसे नाजी शासन की हिंसा एवं असहिष्णुता से भी जोड़कर देखते हैं। इसी वजह से गांव के नाम को लेकर विवाद खड़ा हो गया था।

स्वस्तिक चिह्न में एक दूसरे को काटती हुई दो सीधी रेखाएं होती हैं, जो आगे चलकर मुड़ जाती हैं। इसके बाद, ये रेखाएं अपने सिरों पर थोड़ी और आगे की तरफ मुड़ी होती हैं। न्यूयार्क के ब्लैक ब्रूक कस्बे के तहत आने वाले इस गांव को एक सदी से भी अधिक समय से स्वस्तिक नाम से जाना जाता है, लेकिन न्यूयॉर्क शहर से आए यात्री माइकल अलकामो ने कहा कि यह नाम निकट स्थित द्वितीय विश्व युद्ध के शहीदों की कब्रों का अपमान है, जिसके बाद कस्बा परिषद के सदस्यों ने नाम बदलने को लेकर मतदान करने विचार किया।

परिषद के सदस्यों ने 14 सितंबर को बैठक की और नाम न बदलने का सर्वसम्मति से फैसला किया। ब्लैक ब्रूक के पर्यवेक्षक जॉन डगलस ने एक ईमेल में लिखा, 'यह नाम हमारे पुरखों ने रखा था।'

## बस के आकार का ऐस्टरॉइड धरती के पास से गुजरा

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** वॉशिंगटन। पिछले हफ्ते खोजा गया ऐस्टरॉइड हाल ही में धरती के करीब से गुजरा और अब यह 2029 में हमारे करीब आएगा। लाइव साइंस के मुताबिक 24 सितंबर को यह सोलर सिस्टम के किनारे से निकला। 2020 को 18 सितंबर को ही खोजा गया था। अब इसके 3 जून, 2029 को ही धरती के करीब आने की संभावना है और इससे किसी प्रकार के नुकसान की आशंका नहीं है। जानकारी के मुताबिक इसकी धरती से दूरी 22,000 किमी थी जो टीवी–मौसम की सैटलाइट से भी ज्यादा करीब है। इसका आकार कितना है, इसे लेकर अभी पुख्ता तौर पर नहीं कहा जा सका है। हालांकि, अंदाजे के मुताबिक यह 14–32 फीट के बीच हो सकता है। यह किसी बस जैसा है। इसकी गति 7.7 किमी प्रतिसेकंड की रही होगी।

## चीन ने दी धमकी, अमेरिकी सेना ताइवान वापस लौटी तो चीन छेड़ देगा युद्ध

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

**चीन अलगाव रोधी कानून एक ऐसा टाइगर है जिसके दांत भी हैं**

पेइचिंग। चीन के सरकारी भोपू ग्लोबल टाइम्स ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका की सेना ताइवान वापस लौटी तो चीन युद्ध छेड़ देगा। ग्लोबल टाइम्स के एडिटर हू शिजिन ने अमेरिका और ताइवान को धमकाते हुए कहा कि चीन अलगाव रोधी कानून एक ऐसा टाइगर है जिसके दांत भी हैं। दरअसल, ग्लोबल टाइम्स के एडिटर एक अमेरिकी जर्नल में ताइवान में अमेरिकी सेना के भेजने के सुझाव पर भड़के हुए थे।

हू शिजिन ने ट्वीट करके लिखा, श्मैं अमेरिका और ताइवान में इस तरह की सोच रखने वाले लोगों को निश्चित रूप से चेतावनी देना चाहता हूं। एक बार अगर वे ताइवान में अमेरिकी सेना के वापस लौटने का फैसला करते हैं तो चीनी सेना निश्चित रूप से अपने क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए एक न्याय युद्ध शुरू कर देगी। चीन का अलगाव रोधी कानून एक ऐसा टाइगर है जिसके दांत भी हैं। चीन और अमेरिका के बीच हुआ समझौता टूट जाएगा।

ग्लोबल टाइम्स ने विश्लेषकों के हवाले से कहा कि ताइवान में विदेश हस्तक्षेप और ताइवान के अलगाव समर्थक लोगों के खिलाफ ताइवान स्ट्रेट में चल रहे व्यापक युद्धाभ्यास के बीच अमेरिकी सैन्य जर्नल में इस तरह सेना को भेजने का सुझाव दिया गया है। अगर अमेरिका सेना भेजता है तो इससे चीन और अमेरिका के बीच हुआ समझौता टूट जाएगा। यह पागलपन भरा सुझाव ताइवान की जनता के लिए ठीक नहीं है और अगर यह सत्य होता है तो पीएलए जोरदार सैन्य कार्रवाई करेगी और ताकत के बल पर ताइवान का एकीकरण करेगी। इससे पहले अमेरिकी सैन्य पत्रिका में सुझाव दिया गया था कि पूर्वी एशिया में क्षेत्रीय शक्ति संतुलन चीन की ओर जा रहा है। ऐसे में अगर अमेरिका ताइवान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है तो उसे ताइवान में सेना की तैनाती पर विचार करना होगा।

## किम ने दक्षिण कोरियाई अधिकारी की हत्या की घटना पर खेद प्रकट किया

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने दक्षिण कोरिया के अधिकारी की गोली मारकर हत्या किये जाने पर शुक्रवार को कहा कि इस श्श्अप्रत्याशितश्श और दुर्भाग्यपूर्ण घटना को लेकर उन्हें बहुत अफसोस है। दक्षिण कोरिया के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दक्षिण कोरिया ने आरोप लगाया था कि उत्तर कोरिया ने दोनों देशों की समुद्री सीमा पर उसके एक अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी है। किम के इस रुख से दक्षिण कोरिया में उत्तर–कोरिया विरोधी भावना कम होने की उम्मीद जताई जा रही है। साथ ही, यह भी माना जा रहा है कि पिछले सप्ताह हुई अधिकारी की हत्या के बाद दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे एन के तल्ख रवैये में भी नरमी आएगी। मून के सलाहकार सुह हून ने उत्तर कोरियाई नेता के संदेश का हवाला देते हुए कहा, कॉमरेड किम जोंग उन ने राष्ट्रपति मून जे इन और दक्षिण कोरिया की जनता से इस अप्रत्याशित और दुर्भाग्यपूर्ण घटना को लेकर अफसोस प्रकट किया है।